अलंकार प्रथम

कथ्थक नृत्य

पूर्णांक : 500, न्यूनतम : 225,
शास्त्र 200, न्यूनतम : 70
क्रियात्मक 300 (क्रिया 200 + मंच प्रदर्शन 100)
न्यूनतम : 155

शास्त्र :

प्रथम प्रश्न-पत्र

अंक-100 न्यूनतम : 35

१. वैदिक साहित्य में नृत्य के संदर्भ
२. पुरातत्त्व में नृत्य के संदर्भ
३. नाट्यशास्त्र में कथ्थक नृत्य से संबंधित भ्रमरी तथा चारीओं क प्रयोग।
४. किसी भी एक कथ्थक कलाकार की नृत्य प्रस्तुति की समीक्षा (समालोचना)
५. नाट्यशास्त्र और अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टि भेद ।
६. नृत्य शब्द की मूल धातु उत्पत्ति और विकास।
७. कथ्थक नृत्य प्रस्तुति पर आधुनिक तकनीक का प्रभाव।
८. जाति का विस्तृत ज्ञान तील ताल में स्पष्ट कीजिये ।
९. झपताल के ठेके को ½ , ¾ ,1-1/4, 1-1/2 लयमें लिपिबध्द करना।

द्वितीय प्रश्नपत्र

अंक- 100 ग्यूनतम : 35

१. कथ्थक नृत्य शैली के सौंदर्य शास्त्रीय सिध्दांत :
   (अ) लय ताल, (ब) लालित्य
   (क) सौष्ठव का भाव (ड) आवृतिबंध आदि
२. कथ्थक प्रदर्शन में वस्तुक्रम की विशेषता तथा त्रुटियाँ।
३. नृत्य में तत, सुषिर, अवनध्द तथा घन वाद्यों की उपयोगिता तथा जानकारी।
४. नौटंकी, तमाशा, नृत्यनाटिका, बैले तथा रास मण्डली की जानकारी।
५. क) रास ताल (13 मात्रा), लक्ष्मी ताल (18 मात्रा), वसंत ताल (9 मात्रा) तथा अष्टमंगल (22मात्रा) में ठेके की दुगुन्, चौगुन
   (ख) उपरोक्त (क) सभी तालों में ठाठ, आमद, तिहाई, तोड़े, परन चक्करदार परन व कवित्त आदि को लिपिबध्द करना।
६. कथ्थक नृत्यशैली के प्रस्तुतिकरण के अंतर्गत सांगीतिक विचार ।
७. कथ्थक नृत्य मे संगति कलाकारों की भूमिका, आवश्यकता महत्त्व।

क्रियात्मक :

१. कृष्ण वन्दना, शिववन्दना या गणेशवन्दना किसी एक पर नृत्य अभिनय ।उपरोक्त रचना तालबध्द या आलाप में होनी चाहिए।
२. अपनी पसंद के ताल के अतिरिक्त रास, अष्टमंगल, बसंत या लक्ष्मी आदि में विशेष प्रदर्शन।
३. नयी परनों का तुरंत निर्माण करने की क्षमता ।

अ) नायक भेदों के गतभाव या पद पर तथा नायिका भेदों के पद अथवा ठुमरी पर भाव प्रस्तुत करना।

ब) एक पंक्तिपर अनेक संचारी भाव बताना ।

5) किसी एक रस पर आधारित रचना प्रस्तुत करना ।
6) आधुनिक कथा पर गतभाव प्रस्तुत करना या नृत्य नाटिका का रूप देना ।
7) एक अष्टपदी तथा एक तराना प्रस्तुत करना।
8) ततकार में चलन, लडी तथा लयकारी का विस्तार।
9) भिन्न-भिन्न जाति पर आधारित तिहाइयाँ जो तीन ताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में हो।
10) दमदार पढन्त का प्रदर्शन ।
11) परीक्षक द्वारा दिये गये मुखडे पर तुरंत तिहाई बनाना ।
12) अभिनय द्वारा प्रस्तुत रचना के शब्दार्थ तथा भावार्थ का विवेचन ।

मंचप्रदर्शन: स्वतंत्ररूप में विधिवत मंचप्रदर्शन अनिवार्य (30 मिनटतक)

अलंकार प्रथम वर्ष : कुल मौखिक ३००

समय: क्रियात्मक ९० मिनट + मंच प्रदर्शन ३० मिनट प्रति छात्र

मंच प्रदर्शन	ठाठ बंदिश ताल	पढन्त ताल तरिका	नृत अंग सफाई	तत्कार तैय्यारी/लयकारी	
१००	१० + १०	१० + १०	१० + १०		
	२०	२०	२०	२०	
	भावअंग	शास्त्रज्ञान	तालज्ञान		
	गतभाव / ठुमरी /भजन		भिन्न जातिपर आधारित तिहाईयाँ		**कुल अंक**
	१५ १० १०	१०	१०		**३००**
	विशेषज्ञान			पात्रता	
	शैलीविशेष / अपनीशैली-अन्यशैली तुलनात्मक		तराणा / अष्टपदी उपज	कुल प्रभाव	
	१० १०		१५	१५ १५	